MR. SPEAKER: Hon. Members, please take your seats.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I will come to you. Please take your seat.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I now come to matters of urgent public importance. Dr. Vijay Kumar Malhotra.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please hold some patience.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, मेरा कार्यस्थगन प्रस्ताव है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका भी होगा, सब एक साथ ही कैसे बोलेंगे?

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have called a very senior Member. If you want to take away his time, it is for you.

...(*Interruptions*)

12.05 hrs.

(i) Re : Inadequate arrangements for the pilgrims of Amarnath Yatra

Title: Regarding inadequate arrangements for Amarnath Pilgrims.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, मैं अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले यात्रियों की स्थिति की तरफ सदन का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। शताब्दियों से यह परम्परा चली आ रही है कि श्रावण पूर्णिमा के दिन अमरनाथ की यात्रा पर अमरनाथ के दर्शन होते हैं और उससे पहले उस यात्रा के सब प्रबंध पूरे किये जाते हैं। यात्रियों की सुरक्षा के प्रबंध किये जाते हैं। उनके खाने-पीने का प्रबंध किया जाता है। इसके अलावा रास्ते में जो स्वयंसेवी संस्थाएं वहां पर लंगर लगाना चाहती हैं, उन सबको इसकी अनुमति दी जाती है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि वहां पर यात्रा का कोई प्रबंध नहीं किया गया और न उन यात्रियों की सुरक्षा का कोई प्रबंध किया गया। वहां यात्रियों को उनके हाल पर ही छोड़ दिया गया है।

अध्यक्ष महोदय, एक बहुत अजीब परिस्थिति पैदा हुई। जम्मू-कश्मीर के गवर्नर ने यह कहा कि यात्रा दो जुलाई को वहां पहुंचनी चाहिए। श्रावण पूर्णिमा पर ही पहुंचेगी और दो महीने यात्रा होगी। राज्य के कांग्रेस के चार मंत्रियों ने इसके विरोध में इस्तीफा दिया और उन्होंने इस्तीफा देकर इस बात की घोाणा की कि दो जुलाई को ही वहां पर यात्रा पहुंचनी चाहिए। वहां पर डा. कर्ण सिंह, जो कांग्रेस पार्टी के हैं, पहले वे ही यात्रा के पूरे प्रबंध करते थे। उन्होंने भी यही बयान दिया। श्री गुलाम नबी आजाद का भी मैंने बयान देखा है। उन्होंने कहा है कि यह यात्रा दो महीने रहे तो अच्छा है। दो जुलाई को श्रावण पूर्णिमा थी, उस श्रावण पूर्णिमा पर यात्रा का प्रबंध न करना, यह धार्मिक मामलों में भेदभाव नहीं है बल्कि बहुत भीाण परिस्थिति उसने वहां पर उत्पन्न की है।

मैं जानना चाहता हूं कि क्या गवर्नर दो जुलाई को वहां पहुंच गये और दो जुलाई को जाकर उन्होंने श्रावण पूर्णिमा के दिन अमरनाथ यात्रा के दर्शन किये ? परन्तु सरकार ने कहा कि हम इस यात्रा को रिकोग्नाइज नहीं करते और मुख्यमंत्री यह कहता है कि यात्रा का कोई प्रबंध नहीं होगा। हम एक अगस्त से यात्रा शुरू करेंगे या 15 जुलाई के बाद शुरू करेंगे। क्या धार्मिक यात्रा मुख्यमंत्री तय करेंगे ? हज कब होगा और कब नहीं होगा, ईद कब होगी और कब नहीं होगी, दीपावली किस दिन होगी और किस दिन नहीं होगी, क्या इसका फैसला मुख्यमंत्री करेंगे ? क्या वे इस बात को तय करेंगे ? वहां राज्यपाल पहुंच गये। उन्होंने यात्रा आरंभ कर दी जबकि मुख्यमंत्री ने सारे प्रबंध करने से इंकार कर दिया।

मैंने कांग्रेस के उन मंत्रियों का बयान देखा है। कांग्रेस के चार मंत्री अपने परिवार सहित दो जुलाई को वहां पहुंच गये। उन्होंने बयान दिया कि 13 हजार फुट की ऊंचाई पर रात को भयंकर बर्फबारी के अंदर उनको खुले आसमान में सोना पड़ा। वहां कोई प्रबंध नहीं था। क्या उन्हें मारने का कोई डयंत्र किया गया था ? यह उनका बयान छपा है।

मुझे आश्चर्य है कि यहां पर प्रधान मंत्री जी ने स्वयं इंटरवीन नहीं किया। सोनिया जी, जो सुपर प्राइम मिनिस्टर हैं, उन्होंने भी इसमें इंटरवीन नहीं किया। किसी ने इसमें इंटरवीन नहीं किया। â€¦ (व्यवधान)

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (SABARKANTHA): This is not related to this subject. ...(*Interruptions*) Why is he so agitated? ...(*Interruptions*) Let him withdraw his statement. ...(*Interruptions*) Please control him. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप इसे छोड़ दीजिए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have already stated. Why are you bothered?

...(*Interruptions*)

श्री विजय कुमार मल्होत्रा : मेरा यह कहना है कि वहां पर छह हजार यात्री चले गये हैं। â€¦ (व्यवधान)

कुंवर मानवेन्द्र सिंह (मथुरा) : मल्होत्रा जी, आपको सोनिया जी के बारे में ऐसा बोलने का क्या मतलब

है ? â€¦ (व्यवधान)आप अपनी बात कहिये। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, आप इन शब्दों को कार्यवाही से निकाल दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not be too touchy.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Prof. Vijay Kumar Malhotra, please ask your Members not to interrupt you.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Prof. Vijay Kumar Malhotra, please conclude now.

...(*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, I am completing within two minutes. ...(*Interruptions)* वहां पर यात्रा के कोई प्रबंध नहीं किये गये, सुरक्षा के कोई प्रबंध नहीं किये गये। आतंकवादियों को खुली छूट है कि सरकार कोई प्रबंध नहीं कर रही है। इस समय तक वहां 10हजार यात्री पहुंच गये हैं। अगर वहां कोई आतंकवादी घटना हुई, अगर इस प्रकार का प्रबंध किये बिना किसी यात्री की रास्ते में मृत्यु हुई, तो उसकी जिम्मेदारी जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ-साथ भारत सरकार पर होगी। इनको इस बारे में इमीडिएटली इंटरवीन करना चाहिए। मैं यह अनुरोध करना चाहता हूं कि वहां पर यात्रा के पूरे प्रबंध किये जायें।

MR. SPEAKER: Thank you for your cooperation.

...(*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : The Leader of the House is here. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Do you want to give a reply now?

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): We have listened. ...(*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : You have listened. But what are you going to do in this matter? ...(*Interruptions*) Hon. Minister of Parliamentary Affairs is from Jammu and Kashmir. ...(*Interruptions*) He must assure this House. ...(*Interruptions*) The Government has to respond. ...(*Interruptions)*

MR. SPEAKER: He has not stood up to reply.

...(*Interruptions*)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: What I would like to state is please do not introduce a new practice. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Please cooperate.

...(*Interruptions*)

SHRI PRANAB MUKHERJEE : Sir, what I am saying is − yes, the Government will respond, but not instantly.

MR. SPEAKER : Yes, that is alright.

SHRI PRANAB MUKHERJEE : The hon. Member cannot expect the response from the Government instantaneously.

MR. SPEAKER : That is right. Hon. Member, Prof. Vijay Kumar Malhotra knows it very well.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI) : Sir, before 15th July they must come with a reply. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Before 15th July he should come with a reply. Shri Ramji Lal Suman to speak now.